घर लौटा प्रकाश, खुशी से छलकी मां की आंखें

रांचीः रांचीः मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र में अपने बेटे की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराना देवघर की कल्पना शर्मा के लिए वरदान साबित हुआ। झारखंड पुलिस ने उनके बेटे प्रकाश रंजन उर्फ़ सूरज को पंजाब जाकर खोज निकाला और लौटा दी घर की खोई खुशियाँ।

दरअसल, देवघर के सर्कुलर रोड स्थित आनंद नगर निवासी कल्पना शर्मा और बिरेंद्र शर्मा का 14 वर्षीय पुत्र प्रकाश 30 जुलाई 2015 को अचानक किसी को कुछ बताये बिना ही घर से निकला और फिर वापस नहीं लौटा।

प्रकाश देवघर के ब्लू बेल स्कूल का छात्र है। प्रकाश किसी ट्रेन से पहले लखनऊ पहुंचा, फिर पंजाब चला गया। वहां उसे एक एटीएम के गार्ड ने अपने घर पर काम करने के लिए रख लिया। वहां उसे खटाल की साफ सफाई का काम कराया जाता था, जो उसे पसंद नहीं आया। उसके पास न तो घर लौटने के पैसे थे और न ही मोबाइल फोन, जिससे वह अपने मातापिता से संपर्क कर पाता। एक दिन उसने मौका देखकर गार्ड- की पत्नी के मोबाइल से घर पर फोन कर दिया। हालांकि, उस समय प्रकाश की घर वालों से बात नहीं हो पायी, लेकिन प्रकाश के घर वालों को एक नम्बर जरूर मिल गया था, जिसके सहारे उसे ख़ोजा जा सकता था।

प्रकाश की मां कल्पना ने पहले थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी, लेकिन पुलिस कोई भी कार्येवाही नहीं कर रही थी। थक-हार कर उन्होंने मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र में26 सितंबर 2015 को शिकायत दर्ज करायी। संवाद विशेषज्ञ शीला राज से उनकी बात हुई। शीला ने इस मामले को अपने प्रभारी मिथिलेश कुमार सिंह के संज्ञान में लाया। उन्होंने तत्काल इस पर देवघर की नोडल अफसर प्रियंका सिंह से बातचीत की। इसके बाद इस मामले को मुख्यमंत्री महोदय के सीधी बात कार्यक्रम में रखा गया। 29 सितंबर 2015 को हुई सीधी बात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने देवघर की एसपी को निर्देश दिया कि वे तत्काल एक टीम गठित कर सूरज को खोज निकालें। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया, जो प्रकाश के पिता को लेकर पंजाब गयी। प्रकाश द्वारा कॉल किये गये नम्बर के आधार पर उसे पंजाब में एक

घर से बरामद किया गया। 7 अक्तूबर को अंततः प्रकाश अपने घर पहुंच गया। केंद्र में शिकायत दर्ज कराने के कुल 11 दिनों के भीतर ही बच्चे को बरामद कर लिया गया।

प्रकाश की मां कल्पना ने जब उसे अपने सामने देखा, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि इतनी जल्दी उनके बेटे को पुलिस ने ढूंढ निकाला है। उन्होंने मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके बेटे की बरामदगी कभी नहीं होती, अगर माननीय मुख्यमंत्री महोदय का प्रयास न होता। प्रकाश उर्फ सूरज खुद घर से गया था, जिसे अब यह सीख मिली है कि घर छोड़कर जाना कितना दुष्कर है। अब उसने पढ़लिख कर एक अच्छा इंसान बनने की ठानी है।- इस तरह मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र ने लौटाई एक और घर की खुशियां।